औंधलो आरची ने क्या रे करे मारवाड़ी देसी भजन

औंधलो आरची ने क्या रे करे,

अरे पैली रे ऊपाई बाबो धरतरी,
पचे पवनाने पौणी,
ए पैली पैली नाम गुणेश रो,
रिद्धि सिद्धी आगल वौणी,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

औंधलो आरची ने क्या रे करे,
क्या करे मुरख रे माला,
ए गाफल तस्वीरों ने क्या करे,
घट में घोर अंधेरा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

ए काचेरे घड़े नीर ना ठंबे,
काचे कागद में पारा,
ए बुगलो मोतीड़ों नें क्यारे करे,
मोतीड़ा हंचलों रा चारा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

ए अरे बिनारे दीपक रा कैसा,
कैसा त्राटी रे ताला,
ए बिना रे किरीया योगी कैसा,
ज्योंरे मौय नीर भरीया खारा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

किणविद आवेला पौना,
ए बाबो रे डूंगर पुरी बोलीया,
संतों सही कर लेणा,
ए वरतन जोये वसतू वॉरीये हॉ हॉ,
ज्यों रे माय अवगुण नहीं आवे,
अणेचो नहीं आवे हो नाथजी।bd।

गायक – जोग भारती जी।
प्रेषक – प्रवीण वन गोस्वामी काठाड़ी।
9660089438

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com